19.05.2019 (रिवा 28.11.84)
की मुरली से
सरल पुरुषार्थी की निशानियों का अर्धशतक

01. वह औरों को भी सरल पुरुषार्थी बना देता है।

02. सरल पुरुषार्थी सब बातों में आलराउन्डर होगा।

03. उसमें कोई भी बात की कमी दिखाई नहीं देगी।

04. कोई भी बात में हिम्मत कम नहीं होगी।

05. मुख से ऐसा बोल नहीं निकलेगा कि यह अभी नहीं कर सकते हैं।

06. सरलता के गुण से वह सब बातों में सैम्पुल बन पास विद आनर बन जाता है।

07. जितना ही नॉलेजफुल उतना ही सरल स्वभाव।

08. बुजुर्ग का बुजुर्ग, बचपन का बचपन।

09. सरलचित्त होकर फालो फादर करेगा।

10. हाँजी कहकर दूसरों के संस्कार को सरल बना देगा।

11. सरलता और सहनशीलता वाला सफलतामूर्त होगा।

12. सहनशीलता वाला धैर्यता वाला भी होगा।

13. कैसे भी कठोर संस्कार वाले को शीतल बना देगा।

14. कठिन कार्य को सहज कर लेगा।

15. सरल, सहज पुरुषार्थी मन्सा, वाचा, कर्म में भी सरल होगा।

16. सरलता वाला फरिश्ता बन जाता है।

17. सरलता वाले में समाने की, सहन करने की शक्ति भी जरूर होगी।

18. यथार्थ सरलता के गुण वाला अपने शक्ति स्वरूप को भी सदा याद रखेगा।

19. शक्ति रूप होने से माया का गोला नहीं लगेगा।

20. बहुत सावधान, खबरदार-होशियार होगा।

21. ब्राह्मण जीवन में विशेषता सम्पन्न होगा।

22. सदा एक की मत पर, एक से सर्व सम्बन्ध, एक से सर्व प्राप्ति करते हुए सदा एकरस रहने के सहज अभ्यासी होगा।

23. सदा खुश रह खुशी का खजाना बांटेगा।

24. सरलता वाला अपनी स्थिति स्तुति के आधार पर नहीं बनायेगा।

25. सरलता उसका निजी स्वभाव होने से समेटने की शक्ति भी सहज आ जाती है।

26. सरल स्वभाव वाला सभी का स्नेही, सहयोगी होगा।

27. वह सभी बातों का सामना सहज ही कर सकता है।

28. सरल स्वभाव वाले का माया सामना भी कम करेगी।

29. वह सभी का प्रिय बन जाता है।

30. सरल स्वभाव वाले के व्यर्थ संकल्प अधिक नहीं चलते।

31. उनका समय भी व्यर्थ नहीं जाता।

32. व्यर्थ संकल्प न चलने के कारण उनकी बुद्धि विशाल और दूरांदेशी रहती है।

33. उनके आगे कोई भी समस्या सामना नहीं कर सकती।

34. जितनी सरलता होगी उतनी स्वच्छता भी होगी।

35. उनकी स्वच्छता सभी को अपने तरफ आकर्षित करती है।

36. सरलता वाले में सच्चाई और सफाई होगी।

37. सरल स्वभाव वाला बहुरूपी बन सकता है।

38. मोल्ड होने वाले रीयल गोल्ड होंगे।

39. सरलचित वाले अपने वा दूसरे की बीती को नहीं देखेंगे।

40. उनके नयनों से, मुख से, चलन से मधुरता प्रत्यक्ष रूप में देखने में आती है।

41. जो जितना स्पष्ट होता है वह उतना सरल और श्रेष्ठ होता है।

42. स्पष्टता श्रेष्ठता के नजदीक है और जितनी स्पष्टता होती है उतनी सफलता भी होती है और समानता भी आती जाती है।

43. स्पष्टता, सरलता और श्रेष्ठता बाप समान बना देती है।

44. सरलता और सहनशीलता वाले त्यागमूर्त होंगे।

45. जिसमें सरलता, सहनशीलता होगी वह दूसरों को भी आकर्षण जरूर करेंगे।

46. एक दो के स्नेही बन सकेंगे।

47. जो स्वयं सरलचित्त रहते हैं वह दूसरों को भी सरलचित्त बना सकते हैं।

48. सरलचित्त माना जो बात सुनी, देखी, की, वह सारयुक्त हो और सार को ही उठाये।

49. सरलता वाला स्वयं भी सारयुक्त कर्म करेगा।

50. सरलता वालों का मुख्य संस्कार सर्वस्व त्यागी होगा।

<u>ओम शांति</u>